# अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक – 256 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 15 दिसम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया


## संक्षिप्त समाचार

### सिद्धार्थ सिंह बनाए गए छात्र सभा के प्रदेश सचिव

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के अनुमति पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने गोंडा जनपद के रहने वाले सिद्धार्थ सिंह को समाजवादी छात्र सभा का प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव नामित किया गया है जिसको लेकर समाजवादी पदा अधिकारियों में खुशी की लहर है। सिद्धार्थ सिंह प्रदेश सचिव नामित करने के बाद से ही गोंडा के सपा जिला जिला अध्यक्ष पप्पू यादव गोंडा सदर के प्रभारी व पूर्व प्रत्याशी सूरज सिंह , जिला प्रवक्ता राजेश दीक्षित, सरफराज सोनू और तमाम सपा नेता एवम कार्यकर्ता ने उनको बधाई दी है।

### थाना मोतीगंज पुलिस द्वारा ०१ नफर वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक जनपद गोंडा की आदेश अनुसार जनपद में चल रहे वारंटी अभियान के दृष्टिगत दिनांक 14 ,12 ,21को प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार के कुशल निर्देशन में थाना क्षेत्र में वारंटी गिरफ्तार करने का अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत थाना पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय रवाना कर दिया गया। गिरफ्तार करता टीम में उप निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार गौतम ,हेड कांस्टेबल , परमोद सिंह कांस्टेबल प्रदीप कुमार कांस्टेबल मोनू यादव ने अभियुक्त को गिरफ्तार करके न्यायालय रवाना कर दिया। गया।

## अयोध्या में 12 मुख्यमंत्रियों की अगवानी करेंगे योगी, राम नगरी पहुंचे मुख्य सचिव आरके तिवारी

अयोध्या। भगवान शिव की नगरी काशी में कॉरीडोर उद्घाटन के कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा शासित राज्यों के सीएम राम की नगरी अयोध्या भी आ रहे हैं। अयोध्या में मुख्यमंत्रियों के स्वागत की

तैयारी शुरू हो गई है, इनकी अगवानी स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए प्रदेश के मुख्य सचिव आर के तिवारी अयोध्या पहुंच चुके हैं। अयोध्या में उन्होंने हनुमानगढ़ी के दर्शन–पूजन किए। बताया जा रहा है कि मंगलवार को काशी में पीएम नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्रियों के साथ संवाद करेंगे। इसके अगले दिन ये सभी मुख्यमंत्री अयोध्या पहुंचकर दर्शन–पूजन करेंगे। एक साथ आ रहे 12 मुख्यमंत्रियों को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। पीएम मोदी ने सोमवार को काशी में काशी विश्वनाथ कॉरीडोर का लोकार्पण किया। उस अवसर पर मौजूद भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्रियों का अगला पड़ाव अब अयोध्या है। काशी–अयोध्या यात्रा के जरिए सरकार धर्म के प्रति निष्ठा व आस्था दर्शाने के साथ–साथ विकास की प्रतिबद्धता भी दिखा रही है। इसी के चलते अयोध्या आ रहे करीब 12 राज्यों के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्रियों के अयोध्या में भव्य स्वागत की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद अगवानी के लिए अयोध्या में मौजूद रहेंगे। बताया जा रहा है कि ये सभी सीएम काशी में शिव की आराधना के बाद 15 दिसंबर को रामलला की शरण में अपने परिवार के साथ पहुंचेंगे। उपमुख्यमंत्रियों के भी अपने परिवार के साथ अयोध्या आने की संभावना है। यहां पंचशील होटल में सभी के लिए लंच का इंतजाम भी है। प्रशासन के पास अभी कोई अधिकृत कार्यक्रम नहीं पहुंचा है।

**सरयू आरती भी कर सकते हैं मुख्यमंत्रीगण**

सूत्र बताते हैं कि यदि मुख्यमंत्रीगण मंगलवार दोपहर बाद खाली हो जाते हैं तो आम पर्यटकों की तरह बस के जरिए भी अयोध्या आ सकते हैं। उनके रुकने के लिए पंचशील होटल में व्यवस्था की जा रही है। वहां से सुबह वे दर्शन–पूजन के बाद अपने–अपने गंतव्य के लिए रवाना होंगे। अधिकारी बताते हैं कि सुरक्षा कारणों से सड़क मार्ग के जरिए यात्रा करना बेहतर नहीं रहेगा। ऐसे में ज्यादा संभावना है कि सभी मुख्यमंत्री 15 दिसंबर की दोपहर तक ही अयोध्या पहुंचेंगे। ये सभी सीएम व डिप्टी सीएम रामलला के प्रति आस्था अर्पित करने के साथ–साथ, हनुमानगढ़ी भी जाएंगे। साथ ही सरयू आरती का भी कार्यक्रम बन सकता है।

## शहीद स्मारिका स्थापित करने की योजना तैयार कर ली गयी है जिसमे शहीदों की शौर्य गाथा लिखी जाएगी:–जिलाधिकारी

अवध की आवाज

हरदोई। के गाँधी भवन में उत्तर प्रदेश सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास परिषद के तत्वाधान में जनपद हरदोई के पूर्व सैनिकों व शहीदों के परिजनों का पुनर्मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास परिषद के अध्यक्ष जिलाधिकारी अविनाश कुमार द्वारा की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास परिषद के निदेशक ब्रिगेडियर रवि थे। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाधिकारी व मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की। अपने उद्घाटन भाषण में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निस्तारण को सदैव तत्पर रहता है। सैनिक विषम परिस्थितियों में देश की सेवा करते हैं, सभी को उनके त्याग का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में शहीद स्मारिका स्थापित करने की योजना तैयार कर ली गयी है जिसमे शहीदों की शौर्य गाथा लिखी जाएगी। इससे जनपदवासियों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में 3 ऑयल हीटर स्थापित करने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल ओ०पी० मिश्रा ने वीर नारी अचला

गौर व मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी वीर नारियों को सम्मानित किया। जो सैनिक किसी कारणवश पेंशन के पात्र नही बन सके उन्हें शासन द्वारा दिये गए चेक को जिलाधिकारी ने प्रदान किया। कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं ने देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुतियां दीं जिनको प्रमाणपत्र व मैडल देकर सम्मानित किया गया। कर्नल ओ०पी० मिश्रा ने सैनिकों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय द्वारा किये गए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। अंत मे मुख्य अतिथि संतोष कुमार, पूर्व सैनिक व शहीदों के परिजन तथा बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

## खबर से तिलमिलाये एलडीए के मुख्य अभियंता ने की संपादक को वॉयस काल कर धमकी देने की कोशिश

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के द्वारा तैनाती के बाद प्रथम बार प्रवर्तन अनुभाग में तैनात अवर अभियंताओं के कार्य क्षेत्रो मे किए गए स्थानांतरण मे दागदार अवैध निर्माणो के हिमायती शासनदेश के विपरीत तैनात अवर अभियंताओं को मुख्य अभियन्ता की मेहरबानी को लेकर अवध की आवाज समाचार पत्र के द्वारा सोशल

मीडिया पर प्रसारित किये गये समाचार से बौखलाए लखनऊ विकास प्राधिकरण मे नियम विरुद्ध वर्षो से तैनात प्रभावशाली मुख्य अभियंता इन्दू शेखर ने वॉयस काल कर धमकी देने की कोशिश करते हुए संपादक को कॉल करके कहा कि 200 से 500 रुपये में खबर छापने वाले होने के बाद आपने मेरी भूमिका को लेकर समाचार क्यो चलाया। यदि मै नौकरी मे न होता समाचार छापना शिखा देता ? मुख्य अभियंता इन्दू शेखर को यह नहीं मालूम कि आईएएस और पीसीएस अधिकारी राज्य सरकार के प्रतिनिधि होते हैं और सरकार के द्वारा प्रत्येक प्राधिकरण अथवा सरकार के अधीनस्थ संस्थानो में सरकार के द्वारा तैनात किया जाता है। उक्त संस्थान के प्रमुख अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है कि संस्थान में तैनात अधिकारियों कर्मचारियों की तैनाती आदि की संपूर्ण जानकारी स्पष्ट रुप से विभाग में तैनात अधिकारी को दी जाए। क्योंकि संबंधित संस्थानों में तैनात विभागीय अधिकारियों के द्वारा प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी के कार्यकलापों की जानकारी दी जाती है। श्री इंदु शेखर को यह नहीं मालूम कि वह स्वयं नियम विरुद्ध विगत कई वर्षों से लखनऊ विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता की कुर्सी पर नियम विरुद्ध विराजमान हैं। स्थानान्तरण की सूची निष्पक्ष सत्यापन के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण मुख्य अभियंता के द्वारा सचिव व उपाध्यक्ष को भेजी जाती है ? सूत्रानुसार मुख्य अभियंता के नियम विरुद्ध कई कारनामे धीमे धीमे सामने आ रहे है जिनमें से एक यह है कि एक ड्राफ मेन जो उपरोक्त मुख्य अभियंता की जानकारी में कई वर्षो से अवर अभियंता के पद पर नियम विरुद्ध तैनात रहा है और उसके कार्य काल में अरबों के भुगतान कए गए। क्या यह नियम विरुद्ध तैनाती मुख्य अभियंता की जानकारी में नहीं थी? इस नियम विरुद्ध तैनाती के खिलाफ कोई कार्यवाही क्यों नहीं की गयी? जब अभियत्रण जोन 1 में तैनात अवर अभियंता अंशू गर्ग ने इस नियम विरुद्ध तैनाती का विरोध किया तो उसकी विरोधी आवाज को दबा दिया गया और राजेश श्रीवास्तव के खिलाफ कोई कारवाही न करके अवर अभियंता अंशू गर्ग को मुख्य अभियंता कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया। बात बढ़ी तब अनान फानन में आदेश कर राजेश श्रीवास्तव को मुख्य अभियंता कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया जो अभी तक अभियंत्रण जोन 1 से सम्बंधित अधिकारी द्वारा रिलीव नहीं किया गया है। आखिर क्यों इसमें किसकी सहमति है ? मुख्य अभियंता ,अधिषासी अभियाता अभियंत्रण जोन 1, सचिव या स्वयं उपाध्यक्ष लखनऊ विकास प्राधिकरण।

## श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान महायज्ञ के तृतीय दिवस पर श्रोता हुये भाव विभोर

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। ब्लॉक रुपईडीह आर्य नगर ग्राम पाठक पुरवा में चल रही सरस संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ जिसमें यज्ञाचार्य पं देवा नंद शास्त्री,वैदिक कथा वाचक वृंद्रावन धाम से पधारे परम् श्रद्धये पं गरुणेश शास्त्री जी महाराज ने कहा कि मावन मात्र यदि अपना कल्याण करना चाहता है तो ज्यादा से ज्यादा कथा सुने भगवत चर्चा अधिक से अधिक करें। कथा

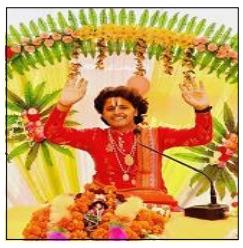

मातरैकजिवनः,श्रीमद भागवत कथा ही जीव को भय मुक्त करने का आधार है जिसको सुनने से समस्त पाप क्षण भर में नष्ट हो जाते हैं।

## विधानसभा में 16 को पेश होगा अनुपूरक बजट व लेखानुदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बुधवार से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र में 16 दिसंबर को चालू वित्तीय वर्ष का दूसरा अनुपूरक बजट तथा 2022–23 के लिए लेखानुदान पेश किया जाएगा। विधानसभा सचिवालय ने 15 से 17 दिसंबर तक का कार्यक्रम जारी कर दिया है। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार 15 दिसंबर को सत्र के पहले दिन सदन में निधन संबंधी सूचनाएं रखी जाएंगी। 16 दिसंबर को औपचारिक कार्यों के साथ अध्यादेशों, अधिसूचनाओं और नियमों को सदन के पटल पर रखा जाएगा। उसी दिन पूर्वाह्न 11 बजे अनुपूरक बजट तथा लेखानुदान को प्रस्तुत किया जाएगा। 17 दिसंबर को अनुपूरक बजट व लेखानुदान को पारित कराया जाएगा। सदन के सुचारु संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने मंगलवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसके बाद कार्यमंत्रणा समिति तथा सुरक्षा संबंधी बैठकें होंगी।

## खेलकूद से खिलाड़ियों का शरीर हमेशा रहती है फिट-डॉ अभिषेक सिंह

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। विधानसभा तरबगंज क्षेत्र के रहने वाले समाजवादी पार्टी के स्वर्गीय पूर्व मंत्री विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह के पुत्र डॉ अभिषेक सिंह विधानसभा तरबगंज क्षेत्र में क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों का क्रीड स्थल पहुंचकर बढ़ा रहे हौसला बताते चलें कि विधानसभा तरबगंज से समाजवादी पार्टी के दावेदार के रूप में लगातार स्वर्गीय पूर्व मंत्री के पुत्र डॉ अभिषेक सिंह लोगों के बीच में पहुंचकर मुलाकात कर रहे हैं और तरबगंज क्षेत्र में होने वाले हर कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। विधानसभा

तरबगंज क्षेत्र में हो रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में पहुंचकर खिलाड़ियों से मुलाकात किया और उनका हौसला बढ़ाया इस दौरान समाजवादी पार्टी के तमाम पदाधिकारी डॉअभिषेक सिंह के साथ मौजूद रहे।


SSM HOSPITAL

Your Health Our Mission...

जनरल फिजीशियन | हड्डी एवं जोड विशेषज्ञ | दमा एवं श्वांस रोग विशेषज्ञ | स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ | आँत लीवर एवं पेट रोग विशेषज्ञ

बाल रोग विशेषज्ञ (टीकाकरण) | नेत्र रोग विशेषज्ञ | क्रिटिकल केयर यूनिट | मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ | नाक कान गला रोग विशेषज्ञ

53/2, खरगापुर, निकट संकट मोचन गेट, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ – 226010

Helpline No. : 7232 93 2222 Email : ssmhospital.lko@gmail.com

# सम्पादकीय

## साक्षात्कार: सीडीएस बिपिन रावत के करीबी रहे मेजर जनरल अनुज माथुर से बातचीत

सीडीएस बिपिन रावत के अंडर सालों तक सैन्य सेवाएं देने वाले मेजर जनरल अनुज माथुर को अब भी विश्वास नहीं होता कि हेलीकॉप्टर हादसे में देश के कई टॉप सेना अधिकारियों की असमय मौत हो चुकी है। विश्वास इसलिए भी नहीं होता कि इतने अत्याधुनिक तकनीक से लैस हेलीकॉप्टर से हादसा हो सकता है। उनकी नजरों में ये हादसा है या साजिश? आदि प्रश्नों को लेकर डॉ0 रमेश ठाकुर ने उनसे बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य हिस्से–

प्रश्नरू कभी न भूलने वाले इस हादसे को आप कैसे देखते हैं?

उत्तर– शब्द नहीं है कि मैं कुछ कह सकूं, जेहन से घटना की सुनी बातें निकल नहीं

रहीं। सीडीएस रावत को सेना सुधारक कहा जाने लगा था। क्या–क्या सुधार हुआ और होने वाला था मैंने खुद अपनी आंखों से देखा। वर्षों मैंने उनके साथ काम किया। बहुत कुछ सीखा मैंने उनसे, उनका काम करने का तरीका औरों से अलहदा हुआ करता था। प्रत्येक काम में वह पारदर्शिता चाहते थे। सेना में बिचौलियों का कभी दखल हुआ करता था। जैसे हथियार खरीदना, सैन्य उपकरणों का विदेशों से मंगवाना आदि में बाहरी लोगों का प्रत्यक्ष दखल होता था, उन्हें सीडीएस ने खत्म कर दिया था।

प्रश्नरू घटना के संबंध में आपको कैसे पता चला?

उत्तर– मेरी पत्नी के मोबाइल पर एक नोटिफिकेशन आया, जिसमें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के हेलीकॉप्टर क्रैश होने की खबर थी। एकाएक तो विश्वास नहीं हुआ। मैंने तुरंत न्यूज़ चौनल ऑन किया तो सारे न्यूज़ चौनलों पर खबर ब्रेक होती दिखी। खबर में बताया जा रहा था कि तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के कुन्नूर में सेना के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों को ले जा रहा भारतीय वायुसेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। फिर भी मुझे विश्वास नहीं हुआ, मैंने एकाध साथी कर्नलों और सेना के कुछ अधिकारियों से बात की, सभी ने खबर को सच बताया।

प्रश्नरू आपने उनके साथ काम भी किया था, करीबी संबंध भी थे?

उत्तर– रावत साहब मुझसे तीन साल सीनियर थे। राजस्थान के जोधपुर में हमने साथ–साथ युद्धाभ्यास किया था। मेरी अच्छी केमिस्ट्री थी उनसे। मैं सेना से 2018 में जीओसी पद से रिटायर हुआ हूं और कई वर्षों तक जनरल बिपिन रावत के अंडर काम किया। एक नहीं, बल्कि कई जगहों पर उनके साथ रहा। मुम्बई, दिल्ली, जोधपुर, जयपुर समेत कई जगहों पर पोस्टिंग के दौरान जनरल रावत मेरे बॉस थे। उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। उनके निधन से देश को तो नुकसान हुआ ही है, पर व्यक्तिगत रूप से उनकी असमय मौत ने मुझे झकझोर कर रख दिया है।

प्रश्नरू बताते हैं कि उनके सहकर्मी उनसे बहुत खुश रहते थे?

उत्तर– इसमें कोई दो राय नहीं। बॉस के रूप में वो सबके परफेक्ट बॉस हुआ करते थे। उनके अधीन काम करने का अलग ही मजा था। उनका मजाकिया अंदाज सबको भाता था। वो जब हास्य करने पर उतर आते थे तो भूल जाते थे कितने बड़े अफसर हैं। मैंने और बिपिन रावत ने बॉम्बे आर्मी हैडक्वार्टर में एक साथ काम किया। साल भर बाद रावत आर्मी कमांडर बनकर पूना चले गए। इसी वर्ष 2007 में दिल्ली आर्मी हेडक्वार्टर में पोस्टिंग के दौरान रावत बिग्रेडियर बने। मैं जयपुर में जब बतौर जीओसी सेवाएं दे रहा था तब भी वह आर्मी चीफ के तौर पर मेरे बॉस थे।

प्रश्नरू कुछ लोग हादसे की वजह कुछ और बता रहे हैं?

उत्तर– देखिए, गंभीरता से जांच की जरूरत तो है। बाकी ब्लैक बाक्स मिल चुका है। जो घटना की सच्चाई बताने के लिए पर्याप्त है। सेना में अनुशासन बहुत मायने रखता है। बड़ा अधिकारी प्रोटोकॉल में होता है। कहीं भी आता है तो उन्हें फोलो करना पड़ता है। जिस हेलीकॉप्टर से हादसा हुआ उसे अति सुरक्षित माना जाता है। इसलिए शक इसी बात का है, हादसा फिर कैसे हुआ।

प्रश्नरू साथी अफसरों के साथ उनका आपसी कम्यूनिकेशन कैसा रहता था?

उत्तर– बड़े अफसर के पास अक्सर अपनी समस्यओं को पहुंचाने में लोग हिचकते हैं, मगर बिपिन रावत के साथ ये बात नहीं थी। हर किसी के लिए उनकी अप्रोच एक जैसी हुआ करती थी। दूसरों के काम की उनको अच्छी समझ थी। उनके काम करने का तरीका और नॉलेज का हर अफसर कायल था। उनमें तेजी से निर्णय लेनी की गजब की क्षमता थी। उनके निर्णय पर फिर कोई सवाल उठाने की गुंजाइश ही नहीं बचती थी। पुलगांव महाराष्ट्र हादसे में लिया गया निर्णय काफी चर्चित रहा।

# लोकतंत्र को कमजोर करती है सांसदों की गैरहाजिरी, प्रधानमंत्री ने जो कहा उस पर सभी दल ध्यान दें

सांसदों की उपस्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर तीखे तेवर में दिखे। इस मुद्दे पर वे बहुत सख्त हैं और इस विषय को लेकर उन्होंने सांसदों को चेताया भी है और सुदृढ़ लोकतंत्र के लिये इसे प्राथमिक आवश्यकता बताई। वे समय–समय पर सांसदों को संसद में उपस्थित रहने के लिए कहते रहते हैं। कुछ दिनों तक उनकी चेतावनी का असर दिखता है लेकिन फिर सांसद उपस्थिति के मामले को नजरअंदाज करने लगते हैं। इसलिये शीतकालीन सत्र के प्रारंभ में भाजपा की संसदीय बैठक में एक बार फिर प्रधानमंत्री ने सदन में उपस्थिति के मसले पर सांसदों को सलाह दी है, लेकिन उनकी बातें सभी दलों से जुड़े जनप्रतिनिधियों के लिए अहम एवं एक अनिवार्य सीख एवं लोकतांत्रिक आवश्यकता मानी जानी चाहिए। बात चाहे लोकसभा की हो, राज्यसभा की हो या विधानसभाओं एवं अन्य लोकतांत्रिक सदनों की हो। जानबूझकर अनुपस्थित रहना भी वीवीआईपी संस्कृति की एक त्रासदी रही है, ऐसी त्रासदियों से मुक्ति दिलाने में मोदी ने सार्थक प्रयत्न किये हैं। बिना किसी महत्त्वपूर्ण वजह के गैरहाजिर होना अगर एक प्रवृत्ति या अहंकार को प्रदर्शित करने का तरीका है तो यह न सिर्फ संसद के कामकाज में सभी पक्षों की भागीदारी को कमजोर करता है बल्कि लोकतंत्र को भी आहत करता है।

प्रश्न किसी दल का नहीं, प्रश्न किसी बिल को बहुमत से पारित कराने का भी नहीं है। प्रश्न लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में लोकतांत्रिक प्रतिनिधियों की जवाबदेही एवं जिम्मेदारी का है। सबके लिये नियम बनाने वाले, सबको नियमों का अनुशासन से पालन करने की प्रेरणा देने वाले सांसद या विधायक यदि स्वयं अनुशासित नहीं होंगे तो यह लोकतंत्र के साथ मखौल हो जाएगा। जब नेताओं के लिये कोई मूल्य मानक नहीं होंगे तो फिर जनता से मूल्यों के पालन की आशा कैसे की जा सकती है? यह किसी से छिपा नहीं है कि लोकसभा या राज्यसभा या विधानसभाओं में सदस्य के तौर पर चुने जाने के बाद बहुत सारे सदस्य संबंधित सदन में नियमित तौर पर उपस्थित होना बहुत जरूरी नहीं समझते। शायद ही कभी ऐसा होता हो जब इन सदनों में सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित होती हो। ऐसे मौके आम होते हैं, जब सदन में बहुत कम सदस्य मौजूद होते हैं और इस बीच वहां कई जरूरी काम निपटाए जाते हैं। सिने स्टार या क्रिकेटर या ऐसी ही अन्य हस्तियां हो, इनकी सदन में उपस्थिति न के बराबर रहती है। इसलिये अब मांग भी उठने लगी है कि राज्यसभा में ऐसे सदस्यों को नामांकित किया जाए जो कम से कम अपने काम को गंभीरता से ले सकें, जो संसद को पूरा समय दे, जो संसद में आएं और सत्र में कुछ बोलें। अपने अनुभव बांटें और अपने क्षेत्र या राष्ट्र की समस्याओं को सरकार के सामने रखें।

प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों के बहाने एक तरह से सदन से बेवजह अनुपस्थित रहने की इसी प्रवृत्ति एवं लोकतांत्रिक विसंगति पर टिप्पणी की है। भाजपा संसदीय दल की बैठक में उन्होंने सांसदों की गैरहाजिरी को जिस तरह गंभीरता से लिया, उसकी अपनी अहमियत है। इसके लिए उन्होंने साफ लहजे में हिदायत दी कि वे खुद में बदलाव लाएं, नहीं तो बदलाव वैसे ही हो जाता है। प्रधानमंत्री की इस बात में जरूरी संदेश छिपे हो सकते हैं, मगर इतना साफ है कि अगर सांसद अपनी जिम्मेदारी के प्रति गंभीर नहीं होते हैं तो लोकतंत्र में जनता ऐसे नेताओं का भविष्य तय करती है। मोदी ने जिस कड़ाई एवं कठोरता से यह संदेश दे दिया है कि अपनी जिम्मेदारी के प्रति लापरवाह रहने वालों को पार्टी घर का रास्ता दिखा सकती है, अन्यथा जनता तो अपना निर्णय देते वक्त ऐसे सांसदों को नकार सकती है। कैसी विडम्बनापूर्ण स्थिति है कि एक सरकारी कर्मी कार्यालय न पहुंचे तो वेतन कट जाता है, स्कूली छात्र स्कूल में न जाये तो अनुपस्थिति दर्ज या दंड का प्रावधान है, फिर सांसदों को अपनी मनमर्जी बरतने की सुविधा क्यों?

सवाल तो यह भी है कि लोकसभा या राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद सांसदों को यह अलग से बताए जाने की जरूरत क्यों होनी चाहिए कि सदन में मौजूदगी उनका दायित्व है! इस जिम्मेदारी को उन्हें खुद क्यों नहीं महसूस करना चाहिए? इसलिए प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी का संदर्भ भी समझा जा सकता है कि बच्चों को बार–बार टोका जाता है तो उन्हें भी अच्छा नहीं लगता है। जाहिर है, यह सांसदों के लिए थोड़ी कड़वी घुट्टी है, मगर उनकी कमियों की ओर ध्यान दिलाने की कोशिश भी है, यह कोशिश भी किसी के द्वारा होनी ही चाहिए। यह इसलिये जरूरी है कि हमारे देश की राजनीतिक–सामाजिक और भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर देखें तो संसद की कार्यवाही और वहां तय होने वाले नियम–कायदों, बनने वाले कानूनों में जरूरी विविधता की झलक मौजूद रहनी चाहिए, इनमें सभी सांसदों यानी सम्पूर्ण देश का प्रतिनिधित्व भी होना

चाहिए।

संसद देश की सर्वोच्च संस्था है। सांसद देश की संसद का सम्मान करते हैं या नहीं, यह गहराई से सोचने की बात है। सांसद सरकार से सुख–सुविधा प्राप्त करें, यह बहुत गौण बात है। प्रमुख काम है देश के सामने आने वाली समस्याओं का डटकर मुकाबला करना। अपना समुचित प्रतिनिधित्व करते हुए देश को प्रगति की ओर अग्रसर करना, उसे सशक्त बनाना। लेकिन ऐसा न होना दुर्भाग्यपूर्ण है, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कमजोर करना है। संसद देश को उन्नत भविष्य देने का मंच है। सरकार इस पर जनता की गाढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा खर्च करती है। इसलिये संसद का प्रति क्षण तभी कारगर, उपयोगी एवं संतोषजनक हो सकता है जब चुना हुआ या मनोनीत प्रत्येक सदस्य अपनी प्रभावी एवं सक्रिय भागीदारी निभाये।

देश जल रहा हो और नीरो बंशी बजाने बैठ जाये तो इतिहास उसे शासक नहीं, विदूषक ही कहेगा। ठीक वैसा ही पार्ट आज की अति संवेदनशील स्थितियों में सांसद अदा कर रहे हैं। चाहिए तो यह है कि आकाश भी टूटे तो उसे झेलने के लिये सात सौ नब्बे सांसद एक साथ खड़े होकर अमावस की घड़ी में देश को साहस एवं उजाला दें। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, यह विडम्बनापूर्ण है। हर दिन किसी न किसी विषय पर विवाद खड़ा कर संसद का कीमती समय गंवाया जा रहा है। महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सार्थक चर्चा की बजाय हो–हल्ला करके संसद की कार्रवाही को स्थगित करने का प्रचलन चल रहा है। कोई भी नहीं सोच रहा है कि इन स्थितियों में देश कहां पहुंचेगा? यह कर्तव्य–च्युति, असंसदीय गतिविधियां क्या संसदीय इतिहास में एक काली रेखा नहीं होगी? निश्चित ही सांसदों की गैर–जिम्मेदाराना हरकतों से संसद अपने कर्तव्य से चूक रही है।

देश का भविष्य संसद एवं सांसदों के चेहरों पर लिखा होता है। यदि वहां भी अनुशासनहीनता, अशालीनता एवं अपने कर्त्तव्यों के प्रति अरुचि–लापरवाही का प्रदर्शन दिखाई देता है तो समझना होगा कि सत्ता सेवा का साधन नहीं, बल्कि विलास का साधन है। यदि सांसद में विलासिता, गैरजिम्मेदाराना व्यवहार, आलस्य और कदाचार है तो देश को अनुशासन का पाठ कौन पढ़ायेगा? आज सांसदों की अनुपस्थिति के परिप्रेक्ष्य में इस विषय पर भी चिन्तन होना चाहिए कि जो वास्तविक रूप में देश के लिये कुछ करना चाहते हैं, ऐसे व्यक्तियों को संसद के पटल पर लाने की व्यवस्था बने। कोरा दिखावा न हो, बल्कि देश को सशक्त बनाने वाले चरित्रसम्पन्न व्यक्ति राज्यसभा में जुड़े– या लोकसभा की टिकट ऐसे ही जिम्मेदार व्यक्तियों को देकर उनको विजयी बनाने के प्रयत्न हो, इसके लिये नये चिन्तन की अपेक्षा है। हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास–विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरि महत्व देने वाले व्यक्तित्वों को महत्व मिले, जो संसद के हर क्षण को निर्माण का आधार दे सके। लोकसभा कुछ खम्भों पर टिकी एक सुन्दर इमारत ही नहीं है, यह एक अरब 30 करोड़ जनता के दिलों की धड़कन है। उसके एक–एक मिनट का सदुपयोग हो। जो मंच जनता की भावना की आवाज देने के लिए है, उसे स्वार्थ का एवं स्व–इच्छा का मंच न बनने दे।

–ललित गर्ग

# सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सबकी राजनीति मोदी के इर्दगिर्द ही घूमती है

पिछले दो लोकसभा चुनावों ने जो राजनीतिक दृश्य अवतरित किए, उसके कारण कांग्रेस का राजनीतिक अस्तित्व कोई भी मानने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि इस स्थिति से कांग्रेस के नेतृत्वकर्ता इत्तेफाक नहीं रखते। क्योंकि वह इस बात को मानने के लिए तैयार ही नहीं हैं कि वह आज कमजोर हो चुकी है। क्षेत्रीय दल कांग्रेस से अच्छी स्थिति में हैं। इसी कारण क्षेत्रीय दल की एक मुखिया ममता बनर्जी ने कांग्रेस पर कमजोरी का टैग लगाते हुए आईना दिखाया है, जिसमें कांग्रेस की वर्तमान हालत दृष्टिगोचर हो रही है।

वर्तमान राजनीति का एकमात्र उद्देश्य सत्ता प्राप्त करने तक ही सीमित होकर रह गया है। इस कारण लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव जीतकर आया राजनीतिक दल जब सत्ता के सिंहासन पर विराजमान होता है तो उसे सरकार के तौर पर देखने की वृत्ति लगभग समाप्त ही हो गई है, इसीलिए आज विपक्ष, सरकार को भी एक राजनीतिक दल के तौर पर देखने की मानसिकता बनाकर ही राजनीति करने पर उतारू होता जा रहा है। केवल राजनीतिक फलक प्रदर्शित होना ही राजनीति नहीं कही जा सकती, इसके लिए राष्ट्रीय नीति का परिपालन होना भी आवश्यक है। अच्छी बातों का खुले मन से समर्थन करने की वृति से देश में सकारात्मक अवधारणा निर्मित होती है। यह बात सही है कि आज देश ही नहीं, बल्कि विश्व के कई देशों में हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजनीति के केन्द्र बिन्दु हैं। भारत की पूरी राजनीति उनके आसपास ही घूमती दिखाई देती है। चाहे सत्ता पक्ष हो या फिर विपक्ष, बिना मोदी के सबकी राजनीति अधूरी–सी लगती है। वर्तमान

में विपक्षी दलों की राजनीति का केवल एक ही उद्देश्य रह गया है, कैसे भी सत्ता प्राप्त की जाए। इसके लिए भले ही झूठ बोलना पड़े। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान ऐसा ही कुछ देखने को मिला, जिसमें एक प्रकरण में राहुल गांधी को माफी भी मांगनी पड़ी। इस प्रकार की राजनीति करना किसी भी प्रकार से उचित नहीं है।

पश्चिम बंगाल में तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद यह तय हो गया था कि ममता बनर्जी विपक्ष के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकती हैं, लेकिन बहुत समय निकल जाने के बाद जब विपक्ष ममता बनर्जी के पीछे चलने के लिए तैयार होता दिखाई नहीं दिया, तब स्वयं ममता बनर्जी ने ही कांग्रेस को अप्रासंगिक निरूपित करते हुए अपने आपको विपक्ष के नेता के तौर पर प्रस्तुत करना प्रारंभ कर दिया है। हालांकि इसे राजनीतिक महत्वाकांक्षा का प्रकटीकरण ही माना जाएगा। क्योंकि ममता बनर्जी स्वयं इस तथ्य से परिचित हैं कि तृणमूल कांग्रेस पार्टी का स्वरूप फिलहाल क्षेत्रीय दल की श्रेणी में ही माना जाता है, ऐसे में ममता बनर्जी का यह सपना देखना कि वह केवल अपनी ही पार्टी के सहारे राष्ट्रीय राजनीति का चेहरा बन सकती हैं, कोरी कल्पना ही कहा जाएगा।

वर्तमान में राजनीतिक विश्लेषकों के लिए यह मानने के लिए कोई परेशानी नहीं है कि कांग्रेस सहित कोई भी राजनीतिक दल राष्ट्रीय स्तर पर विकल्प बनने की स्थिति में नहीं है। इसके पीछे कांग्रेस की नीतियों को जिम्मेदार माना जा सकता है। क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस ने अपने आपको राजनीतिक रूप से कमजोर किया है, वहीं विपक्ष को एकजुट करने में भी रोड़ा अटकाने का काम भी किया है। इसलिए यह स्पष्ट तौर पर स्वीकार किया जा सकता है कि कांग्रेस ने अपने आपको तो कमजोर किया ही है, साथ ही विपक्ष को भी कमजोर कर दिया है। राजनीतिक अस्तित्व की दृष्टि से देखा जाए तो यह स्पष्ट ही परिलक्षित होता है कि केवल राज्यों में प्रभाव रखने वाले क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस से बेहतर स्थिति में हैं। उनका अपना राजनीतिक अस्तित्व बरकरार है। कई राज्यों में कांग्रेस इन क्षेत्रीय दलों का हाथ पकड़कर अपनी डूबती नैया को बचाने के लिए तिनके का सहारा तलाश करती हुई दिखाई देती है। एक समय सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में अपना प्रभाव रखने वाली कांग्रेस की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि वह अकेले चल ही नहीं सकती है। कांग्रेस की स्थिति स्वयं की खड़ी की हुई है। इसलिए आज ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस की भूमिका को अप्रासंगिक करार देना समय के हिसाब से सही ही है। अब ऐसा लग रहा है कि तृणमूल कांग्रेस की मुखिया अपने आपको विपक्ष के नेता के तौर पर प्रस्तुत करके एक नया खेल खेल रही हैं। हालांकि इसके संकेत उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में ही दे दिए थे, लेकिन वर्तमान राजनीति को देखकर ऐसा ही लग रहा है कि कोई भी क्षेत्रीय दल किसी के पीछे जाने की भूमिका में नहीं दिख रहा।

आज ममता बनर्जी ने कांग्रेस को आइना दिखाया है, जिसमें कांग्रेस की स्थिति साफ दिखाई दे रही है, लेकिन क्या कांग्रेस इसको स्वीकार कर पाएगी या पहले की तरह ही बिना आत्म मंथन के ही वर्तमान शैली में कार्य करती रहेगी। हम जानते ही हैं कि परदे के पीछे से पूरी कांग्रेस को चलाने वाले राहुल गांधी वर्तमान राजनीति के लिए पूरी तरह से अनफिट हो गए हैं, इसी प्रकार करिश्माई नेतृत्व के तौर पर राजनीति में पदार्पित हुई प्रियंका वाड्रा को भी जिस अपेक्षा के साथ स्थापित करने का प्रयास किया गया, वह भी असफल प्रयोग प्रमाणित हो चुका है।

भविष्य में होने वाले चुनावों के लिए विपक्षी राजनीतिक दल अपने आपको किस प्रकार से तैयार करेंगे, यह कहना फिलहाल जल्दबाजी ही होगी, लेकिन इतना तय है कि किसी एक दल का इतना राजनीतिक प्रभाव नहीं है कि वह राष्ट्रीय विकल्प के रूप में स्थापित हो जाए। इसलिए स्वाभाविक रूप से यही कहा जाएगा कि आने वाले समय में फिर से गठबंधन की कवायद भी होगी। जिसमें सभी दल अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित करेंगे ही। कांग्रेस की स्थिति भी कुछ खास नहीं है, इसलिए वह भी ऐसा ही प्रयास करेगी, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस की सुनेगा कौन? जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अपने ही नेताओं की अनदेखी करने की राजनीति कर रहे हैं, तब दूसरे से कैसे आशा की जा सकती है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के दिग्गज नेता अपने नेतृत्व पर सवाल खड़े कर चुके हैं और कई प्रभावी राजनेता कांग्रेस छोड़कर जा चुके हैं। ऐसे में अब कांग्रेस से किसी चमत्कार की आशा करना अंधेरे में सुई ढूंढ़ने जैसा ही कहा जाएगा। हालांकि यह राजनीति है, कब कैसी तसवीर बन जाए, कहा नहीं जा सकता।

–सुरेश हिन्दुस्थानी

## कुशीनगर में एक युवक ने मां के रुपये न देने पर घर में लगाई आग : युवक की भाभी की जलने से हुई मौत

कुशीनगर, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में रामकोला थाना क्षेत्र के पगार गांव के छपरा टोला में रविवार की देर रात एक युवक ने मां के रुपये न देने पर पहले तो अपनी झोपड़ी में आग लगाई, फिर बड़े भाई की झोपड़ी में भी आग लगा दी। घर में काम कर रही उसकी भाभी ने अचानक लपटें उठते देखकर किसी तरह बच्चों को सकुशल बाहर निकाला। फिर खुद कुछ सामान निकालने अंदर गई तो आग में घिर गई। कई बार निकलने की कोशिश की, लेकिन धुएं से दम घुटने और आग से जलने की वजह से उसकी मौत हो गई। वह गर्भवती बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से आग बुझाई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आरोपी युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बाहर कमाने जाने के लिए मां से मांग रहा था रुपये पगार गांव के छपरा टोला निवासी राजू बाहर कमाने जाने के लिए मां से रुपये मांग रहा था। लेकिन रुपये न होने की बात कहते हुए मां ने मना किया तो राजू ने गुस्से में पहले अपनी और फिर भाई की झोपड़ी जला दी। ग्रामीणों के मुताबिक राजू अक्सर घर में झगड़ा करता रहता था। दोनों झोपड़ियों के राख हो जाने से परिवार के पास ठंड में न तो सिर छुपाने की जगह बची और न पहनने–ओढ़ने को कपड़े व बिस्तर। राजू पहले मुंबई में खाना बनाने का काम करता था। लेकिन करीब आठ महीने पहले वह घर लौट आया। यहां वह कोई काम नहीं करता था। पिछले कुछ दिनों से वह मां पर बाहर जाने के लिए रुपये देने का दबाव बना रहा था। राजू सिंह (22) तीन भाई हैं। आरोप है राजू ने पहले अपनी झोपड़ी में आग लगाई और उसके बाद बड़े भाई जितेंद्र सिंह की झोपड़ी में भी आग लगा दी। उस समय जितेंद्र की पत्नी रंजना (36) घर में ही काम कर रही थी। अचानक आग की लपटें उठते देख वह बच्चों को उठाकर किसी तरह झोपड़ी से बाहर निकाली और खुद सामान निकालने के लिए अंदर चली गई। तब तक आग ने विकराल रूप ध ारण कर लिया। हर तरफ से घिर जाने के कारण आग में झुलस जाने से रंजना की मौत हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक जितेंद्र की रंजना से करीब 15 वर्ष पूर्व शादी हुई थी। उनकी छह संतानें हैं। पांच बेटियां और एक बेटा है। जितेंद्र बाहर काम करते हैं, जिससे परिवार का भरण–पोषण होता है। जितेंद्र इन दिनों घर आए थे, लेकिन घटना के समय घर पर मौजूद नहीं थे।

पुलिस अधीक्षक सचिंद्र पटेल ने बताया कि राजू ने अपनी मां से रुपये के लिए झगड़ा किया। रुपये नहीं मिले तो पहले अपनी झोपड़ी में आग लगाई, उसके बाद जितेंद्र की झोपड़ी में भी आग लगा दी। इस आग में खुद को और बच्चों को घिरा देखकर उसकी भाभी ने सबसे पहले बच्चों को सकुशल बाहर निकाला। उसके बाद घर में सामान निकालने, जिससे आग में घिर जाने से जलकर मर गई। वह गर्भवती थी। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। तहरीर मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## सुप्रीम कोर्ट की नसीहत-पत्रकारों को न दें धमकी

### पत्रकारों और विचारों को धमकाने के लिए न हो सरकारी ताकत का इस्तेमाल

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न को मध्य नजर रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि पत्रकार लोगों से कोई भी अभय अमद्रता पूर्वक बात या व्यवहार न करें इस प्रकार से इस प्रकार से आगे सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्य को अपनी ताकत का इस्तेमाल किसी राजनीतिक ओपिनियन या जर्नलिस्ट को धमकाने के लिए कभी नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक वर्ग को इसके लिए देश भर में आत्ममंथन करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने उक्त टिप्पणी करते हुए एक न्यूज पोर्टल और अन्य के खिलाफ पश्चिम बंगाल में दर्ज केस को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एसके कौल की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि देश विभिन्नताओं वाला देश है और यह अपने आप में महान है। इस देश में अलग–अलग मान्यताएं और मत हैं। राजनीतिक मत भी अलग–अलग हैं। यह हमारे लोकतंत्र की पहचान है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य फोर्स का इस्तेमाल कभी भी राजनीतिक या जर्नलिस्ट के ओपिनियन को दबाने के लिए

नहीं किया जाना चाहिए। इसका मतलब यह भी नहीं है कि इन्हें कुछ भी बोलने का अवसर मिल गया है, जिससे कि समाज में परेशानी पैदा हो।

सुप्रीम कोर्ट ने साथ ही कहा कि हम यह भी जोड़ना चाहते हैं कि पत्रकारों की भी जिम्मेदारी है कि वह किसी मामले को कैसे रिपोर्ट करें। खासकर तब जबकि यह ट्विटर का दौर है, ऐसे में उन्हें ज्यादा जिम्मेदार होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ दवे ने बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने इंग्लिश भाषा के एक न्यूज पोर्टल के एडिटर के खिलाफ दर्ज केस वापस लेने का फैसला किया है। साथ ही यू ट्यूबर के खिलाफ दर्ज केस वापस लेने का फैसला हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसमें संदेह नहीं है कि राजनीतिक वर्ग में एक दूसरे के प्रति नीचा दिखाने वाले बयान हो रहे हैं और उस पर आत्ममंथन की जरूरत है। हमारे देश में विविधता है और वह गर्व का विषय है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले की सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल में दर्ज इस केस की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। 26 जून 2020 को टॉप कोर्ट ने तीन एफआईआर की कार्रवाई पर रोक लगाई थी।

## निर्वाचन संबंधी समस्त कार्यों को समय से पूर्ण करें सभी संबंधित अधिकारी-जिलाधिकारी

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। (सू0वि0) आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने तथा निर्वाचन संबंधी समस्त व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराये जाने हेतु नियुक्त प्रभारी अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी अधिकारियों से आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 हेतु सौंपे गये दायित्वों से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की एवं निर्देश दिये कि कार्यों को समय से पूर्ण किया जाये। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी प्रभारी अधिकारी उन्हें सौंपे गये दायित्वों के विषय में भलीभांति जानकारी प्राप्त कर लें एवं कार्यों के विषय में मा0 निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध निर्देशों का भी भलीभांति अध्ययन कर लें तथा तदनुरूप आवश्यक व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुये स्टाफ की तैनाती भी सुनिश्चित करा लें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि निर्वाचन के कार्यों को अविलम्ब पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि बूथों पर सभी आवश्यक प्रबंध समय से पूर्ण किये जायें। सभी बूथों पर विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये। वीडियोग्राफी एवं वेबकास्टिंग हेतु पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को दिये। आवागमन हेतु वाहनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश एO आरO टीO ओO को दिये। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि स्वीप से संबंधित गतिविधियां व्यापक रूप से संचालित किया जाये तथा मतदाता जागरूकता अभियान व्यापक रूप से चलाया जाये। जिन क्षेत्रों में गत चुनाव में मतदान का प्रतिशत कम रहा है, उनमें विशेष जागरूकता अभियान चलाये जाने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिये। शिकायत प्रकोष्ठ एवं पीO जीO आरO एसO के संचालन की समीक्षा करते हुये जिला गन्ना अधिकारी को निर्देश दिये कि प्राप्त प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने मतपत्रों की छपाई, डाक मतपत्र, नियंत्रण कक्ष, मीडिया सेल, सांख्यिकी एवं समन्वय, निर्वाचन व्यय लेखा, लेखन सामग्री, कम्यूनिकेशन प्लान, ई0आर0ओ0 नेट, विधिक सेल आदि व्यवस्थाओं से संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी कार्यालाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष कार्मिकों का डाटा पूर्ण शुद्धता के साथ समय से फीड किया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा, अपर जिलाधिकारी राम भरत तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एन0पी0 सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी जान्हवी मोहन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 मधु गैरोला, जिला विकास अधिकारी राकेश कुमार पाण्डेय, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 ए0के0 सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## पूर्वांचल और बुंदेलखंड को नए सिरे से साध रही सपा, दोनों इलाको के लिए बन रही अलग-अलग रणनीति

लखनऊ। सपा पूर्वांचल और बुंदेलखंड को नए सिरे से साध रही है। उसका लक्ष्य है कि यहां से ज्यादा से ज्यादा सीटें जीती जाएं। यह दोनों क्षेत्र उसके लिए सत्ता के द्वार साबित होंगे। वह पूरब में हाते की हवा और बुंदेलखंड में पाठे की प्यास को सियासी पतवार बना रही है। दोनों इलाके के लिए अलग–अलग एजेंडा और रणनीति तैयार की जा रही है।

पार्टी के रणनीतिकार पूर्वांचल को अपने लिए उपजाऊ मान रहे हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में लगातार राष्ट्रीय

अध्यक्ष अखिलेश यादव सक्रिय हैं। गोरखपुर से सिद्धार्थनगर और फिर गाजीपुर से लखनऊ तक विजय रथयात्रा निकाल चुके हैं। पूर्वांचल के अन्य जिलों में भी यात्रा निकाल कर विभिन्न जातीय संगठनों को जोड़ चुके हैं।

रविवार को बाहुबली हरिशंकर तिवारी का परिवार भी सपा में शमिल हो गया है। उनके साथ भाजपा विधायक जय चौबे सहित तमाम ब्राह्मण नेता सपा में शामिल हुए हैं। ऐसे में सपा को तिवारी हाते से चली हवा पूरे प्रदेश में फैलने की उम्मीद है। फिलहाल सपा में पहले से कई ब्राह्मण नेता मौजूद हैं, लेकिन इस परिवार के साथ सभी की एकजुटता समान रूप से दिखी।

अब यह परिवार ब्राह्मण चेहरे के रूप में पूरे प्रदेश में फिजा बनाएगा। सपा कार्यालय के बाहर तमाम ऐसे बोर्ड भी लगाए गए, जिसमें लिखा था कि तिवारी हाता अब सपा के साथ है। इसी तरह पूर्वांचल के जिलों में विधानसभा क्षेत्र में जातीय बहुलता को ध्यान में रखकर संबंधित जाति के नेता को विधानसभा क्षेत्र की समीक्षा में लगाया गया है। ताकि वह ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ सके।

जल, जंगल और जमीन के साथ दलित व मजदूरों की भी बात

अब बात करते हैं बुंदेलखंड की। इस इलाके में जल, जंगल और जमीन के साथ दलितों, मजदूरों को लेकर संघर्ष करने वाले संगठनों को लगातार सपा में शामिल किया जा रहा है। सपा यहां की बेरोजगारी के साथ पानी और सिंचाई का मुद्दा भी उठा रही है। पाठा क्षेत्र में लंबे समय से अधूरी चल रही पेयजल परियोजनाओं का मुद्दा उठाया जा रहा है। सपा शासन में किए गए बांधों के निर्माण से लेकर राहत पैकेट तक को अपनी उपलब्धि में गिनाया जा रहा है। इस इलाके में बनने वाले एक्सप्रेसवे और अन्य अधूरी परियोजनाओं का मुद्दा भी उठाया जा रहा है।

दोनों इलाकों के खास मुद्दों पर फोकस

सूत्रों का कहना है कि पार्टी के घोषणा पत्र में पूर्वांचल और बुंदेलखंड की समस्याओं को लेकर अलग–अलग मुद्दे शामिल किए जाएंगे। दोनों इलाकों के वरिष्ठ नेताओं को यहां के मुद्दों का प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है। यही वजह है कि पूर्वांचल के साथ बुंदेलखंड के ब्राह्मण नेताओं को भी पार्टी की सदस्यता दिलाई गई है। पूर्वांचल में लघु एवं सीमांत किसानों, बेरोजगारी को मुख्य मुद्दा बनाया जा रहा है, वहीं बुंदेलखंड में अन्ना पशु, पानी, सिंचाई , मंडी और राहत पैकेट जैसे मुद्दे अहम माने जा रहे हैं। इन दोनों इलाके में टिकट बंटवारे से पहले दूसरे चरण का सर्वे भी चल रहा है।

## अब दूसरी डोज लगवाने के लिए जन्मतिथि अनिवार्य, पहचान पत्र बदलकर नहीं लगवा सकेंगे टीका

गोरखपुर। कोरोनारोधी वैक्सीन की दूसरी डोज लगवाने के लिए अब जन्मतिथि युक्त पहचान पत्र की जरूरत पड़ेगी। केंद्र सरकार ने कोविन रजिस्ट्रेशन पोर्टल में नए फीचर जोड़े हैं, इसमें जन्मतिथि

सबसे महत्वपूर्ण है। इस अलावा पहली डोज लगवाते समय जिस पहचान पत्र का उपयोग किया गया था, अब उसी पहचान पत्र का उपयोग दूसरी डोज लगवाते समय करना होगा। नई व्यवस्था के तहत कोई भी शख्स पहचान पत्र बदलकर कोरोनारोधी टीका नहीं लगवा पाएगा। कोविड टीकाकरण के लिए अभी तक सिर्फ जन्म का वर्ष ही मांगा जाता था। पहचान पत्र के तौर पर एक आईडी व मोबाइल नंबर देना होता है। कई बार लोग दूसरी डोज लगवाने के लिए बगैर आईडी के केंद्र पहुंच जाते हैं। दूसरी डोज के लिए जन्मतिथि या आईडी की दरकार नहीं होती थी। अब दोनों डोज लगवाते समय जन्मतिथि पूछी जाएगी। वही पहचान पत्र प्रयोग में लाया जाएगा, जिसमें जन्मतिथि लिखी हो। इसके अलावा अब पहले व दूसरे डोज के बीच पहचान पत्र बदल नहीं सकेंगे। इतना ही नहीं लाभार्थी मोबाइल नंबर भी नहीं बदल सकेंगे। मोबाइल नंबर को बदलने के लिए पोर्टल पर रिक्वेस्ट करना होगा।

गड़बड़ी रोकने के लिए पहल

टीकाकरण के नोडल अधिकारी डॉ. एनके पांडेय ने बताया कि कुछ लोगों ने शिकायत की थी कि बिना दूसरी डोज लगे ही पोर्टल से संदेश मिल गया है। इस खामी को दूर करने के लिए सरकार ने कुछ बदलाव किए हैं।

चार लाख लोगों को लगनी है दूसरी डोज

डॉ. पांडेय ने बताया कि जिले में करीब 25 लाख लोगों को पहली डोज लगी है। करीब 15 लाख लोगों को दोनों डोज लग चुकी है। अभी भी चार लाख लोग ऐसे हैं, जिनकी दूसरी डोज की तारीख पूरी हो चुकी है। करीब दो लाख लोगों का 15 दिन का विंडो पीरियड चल रहा है। वहीं दो लाख 10 हजार लोगों का विंडो पीरियड बीत चुका है।

## बरेली में जांचे नहीं गए.. कुचले गए थे कोरोना संदिग्ध हजारों सैम्पल

बरेली। बरेली में अव्यस्थाओं का रिकॉर्ड बना रहे स्वास्थ्य विभाग का एक और कारनामा वायरल हुआ है। पिछले माह 18 और 26 नवंबर को 300 बेड कोविड चिकित्सालय के स्टोर रूम में बड़े पैमाने पर कोरोना संदिग्ध हजारों मरीजों के सैंपल बंद मिले थे। स्वास्थ्य विभाग ने आनन–फानन में इन सैंपल को जांच के लिए भेजने का दावा किया था, मगर उन्हें जांच कराने के बजाय उसे पांव से कुचलकर, उनके टुकड़ों को बोरियों में भरा और कचरे में फेंक दिया था। इसका वीडियो अब वायरल हो गया है और स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई है।

इससे पहले हजारों कोविड संदिग्ध संक्रमितों के सैंपल की जांच न कराकर जिले को कोरोना मुक्त बनाने में जुटे अफसरों ने सैंपल बरबाद करने वालों की तलाश के लिए जांच समिति गठित कर दी थी। उन्हें प्रकरण की गंभीरता से जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। साथ ही, जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही थी।

आखिर क्या बताते रहे रिपोर्ट में

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के

चलते कोविड की जांच कराने वाले हजारों लोगों की रिपोर्ट पर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अधिकारियों के मुताबिक जब जांच ही नहीं हुई तो पोर्टल पर रिपोर्ट भी अपडेट नहीं की गई है। ऐसे में सैंपल कराने वाले तमाम लोग स्वास्थ्य विभाग के कार्यालयों के चक्कर काटते रहे। बताया जाता है कि स्वास्थ्यकर्मी कमी उन्हें स्टाफ की कमी के चलते रिपोर्ट अपडेट होने में देरी तो कमी नेटवर्क स्लो होने से रिपोर्ट देखने में दिक्कत आदि मनचाही समस्याएं बताते रहे। हैरत यह कि एक भी संदिग्ध ने रिपोर्ट न मिलने पर कोई हंगामा नहीं किया और न शिकायत ही दर्ज कराई है।

## लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हादसा: चालक को झपकी लगने से डिवाइडर से टकराई कार, तीन घायल

उन्नाव। लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे पर औरास थाना क्षेत्र के मैनीभावा खेड़ा गांव के पास मंगलवार सुबह चालक को झपकी लगने से तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दंपती व उसका बेटा घायल हो गया। औरास पीएचसी से सभी को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया। बलिया जनपद के मनियर थाना क्षेत्र के भिखरिया गांव निवासी सतेंद्र (32) अपनी पत्नी प्रियंका (30) और बेटे रियान (10) के साथ राजस्थान के उदयगढ़ एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। मंगलवार सुबह 6 बजे सभी कार से बलिया लौट रहे थे। तभी थाना क्षेत्र के मैनीभावा खेड़ा गांव के पास कार चला रहे सतेंद्र को झपकी लगने से कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में सतेंद्र, प्रियंका और रियान घायल हो गए।

## राम मंदिर निर्माण की गति देखकर अभिभूत हुए श्री श्री रविशंकर, बोले- वाराणसी की तरह अयोध्या का भी नया रूप दिखेगा

अयोध्या। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की गति देखकर अभिभूत हो गए। उन्होंने कहा कि रामभक्तों का सपना जल्द ही साकार हो जाएगा। निर्माण कार्य काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह वाराणसी का भव्य और दिव्य रूप दुनिया देख रही है। वैसा ही रूप जल्द ही अयोध्या का भी दिखेगा। इंजीनियर्स समर्पित होकर अपना काम कर रहे हैं। श्री श्री रविशंकर मंगलवार को अयोध्या पहुंचे और रामलला के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि अयोध्या में आर्ट ऑफ लिविंग का केंद्र बनाने पर विचार कर रहे हैं। इसके लिए बनने वाले राजघाट के पास जमीन का निरीक्षण भी करेंगे। अयोध्या विकास प्राधिकरण कई धार्मिक संगठनों के साथ मिलकर अयोध्या धाम के विकास पर काम कर रहा है। इसके लिए संस्थाओं को जमीन उपलब्ध करवाई जा रही है।

## मेहनौन क्षेत्र भ्रमण व मांगलिक कार्यक्रमों में शामिल हो रहे भाजपा विधायक

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। विधानसभा मेहनौन के भाजपा विधायक विनय कुमार द्विवेदी उर्फ मुन्ना भैइया द्वारा क्षेत्र में हो रहे मंगलिक कार्यक्रम में पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हो रहे हैं। बताते चलें कि विधानसभा 2022 चुनाव सिर पर है जिसको देखते हुए लगातार विधानसभा मेहनौन के अलग–अलग पार्टी के दावेदार अपनी अपनी रोटी सेकने का कार्य क्षेत्र में शुरू कर दिए हैं जिसको लेकर भाजपा के विधायक द्वारा क्षेत्र में टूटी हुई कई सड़कों का लोकार्पण कर विकास कार्य तेजी से करा रहे हैं और क्षेत्र के हर विकास कार्य पर नजर बनाए हुए हैं। वही क्षेत्र में हो रहे मांगलिक कार्यक्रम तथा अन्य कार्यक्रम में भाजपा विधायक विनय कुमार द्विवेदी पहुंचकर लोगों से मुलाकात कर 2022 चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। जानकारी देते हुए मेहनौन के भाजपा विधायक विनय कुमार द्विवेदी उर्फ मुन्ना भैइया ने बताया कि चार साल में जितना भाजपा सरकार ने विकास कार्य किया है उतना आज तक किसी सरकार ने विकास कार्य नहीं किया है और मेहनौन क्षेत्र में पूरी तरीके से सड़क बिजली पानी सारी व्यवस्थाएं पूर्ण हो गई हैं थोड़ा बहुत कमियां रह गई हैं उस पर हम लोग लगातार नजर बनाए हुए हैं और प्रयास कर रहे हैं कि जल्द से जल्द वहां का भी विकास कार्य हो जाए ताकि हमारे क्षेत्र के लोगों को किसी प्रकार असुविधा ना हो। और अपनी अपनी जो पार्टियां रोटी सेंकने में लगी हैं वहीं श्री त्रिवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र में फर्जी तरीके से रोटी सेकने का कार्य बंद कर दें क्योंकि भाजपा सरकार ने इतना विकास कार्य करा दिया है कि 2022 में एक बार भाजपा सरकार ही बनेगी।

# प्रदेश की ये 86 आरक्षित सीटें हैं सत्ता की चाबी, जो फर्स्ट डिवीजन पास, सत्ता उसी के हाथ

लखनऊ। चुनावी समीकरणों का एक बेहद रोचक तथ्य है कि जिस भी दल ने आरक्षित सीटों में से साठ फीसदी से ज्यादा जीतीं, सत्ता उसी के हाथ रही। सभी दल इन सीटों की अहमियत समझते हैं। यही वजह है कि सभी इन सीटों पर जीत के समीकरण साधने में जुटे हैं। तो बसपा सुप्रीमो मायावती अनुसूचित जातियों के साथ ब्राह्मण, मुस्लिम और जाटों का गठजोड़ बनाने में जुटी हैं। मंशा साफ है

कि इनमें से कोई एक भी पूरी तरह से साथ आ गया तो बात बन जाएगी। प्रदेश में इस समय 86 आरक्षित सीटें हैं। इनमें 84 अनुसूचित जाति के लिए, तो दो सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए हैं। बहरहाल सियासी दलों की नजरें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 84 सीटों पर गड़ी हुई हैं। सियासी पंडित बताते हैं कि 2007 के विधानसभा चुनाव में आरक्षित सीटें 89 थीं। इनमें से बसपा ने 62 पर जीत दर्ज कर सरकार बना ली थी। 2012 के चुनाव में बसपा आरक्षित सीटों में से 15 ही जीत पाई। समाजवादी पार्टी ने 58 आरक्षित सीटें जीत लीं। नतीजा, सपा की सूबे में सरकार बन गई है।

आरक्षित सीटों पर बसपा का खास अभियान

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 21 आरक्षित सीटों के समीकरण साधने में राजनीतिक दल जुट गए हैं। 16 दिसंबर से दूसरे चरण का अभियान शुरू होना है। इन सभी सीटों पर जहां दलितों की संख्या काफी है, तो ब्राह्मण भी इस भूमिका में हैं कि वे चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। बसपा की मंशा इन सीटों पर ब्राह्मणों को साथ जोड़ने की है ताकि उसकी मंजिल आसान हो जाए। हालांकि बसपा इन सीटों पर जाट और मुस्लिमों को भी जोड़ने की बात कर रही है, पर इन जातियों के मजबूत सिपहसालार इस समय नहीं होने के कारण पार्टी उतनी शिद्दत से काम नहीं कर पा रही है।

भाजपा की भी पैनी नजर, मंत्रिमंडल विस्तार में रखा खास ध्यान

भाजपा खास तौर पर दलित मतदाताओं पर नजर गड़ाए हुए है। सरकार ने मंत्रिमंडल विस्तार किया तो इसका खास ख्याल रखा और दलितों को तरजीह दी। ब्राह्मण–अनुसूचित जाति का समीकरण साधने के लिए बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा सम्मेलन कर चुके हैं। रामपुर मनिहारन, सहारनपुर ग्रामीण, पुरकाजी, खैर, इगलास, जलेसर, नहटौर, नगीना, धनौरा, हापुड़, हस्तिनापुर, खुर्जा, आगरा देहात, आगरा कैंट, टूंडला, किशनी, बलदेव, फरीदपुर, पूरनपुर, पुवायां सीट पर खास तैयारी की गई है।

बसपा से आए सूरमा चला रहे सपा के तीर

वहीं, सपा ने भी इन सीटों पर अपना तीर चल दिया है। बसपा छोड़कर सबसे ज्यादा नेता सपा में आ रहे हैं। सपा इसी तीर से दूसरे दलों को धराशायी करना चाह रही है। खासतौर से बसपा छोड़कर आए अनुसूचित जाति के नेताओं को इन सीटों पर लगाया गया है। फिलहाल कैबिनेट मंत्री केके गौतम को इसी लक्ष्य को साधने की जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस भी ऐसे ही समीकरण बनाने में जुटी है। लखीमपुर क्षेत्र में पंजाब के सीएम चरण सिंह चन्नी ने जिस तरह से कई बार अपनी आमद दर्ज कराई, उससे भी कांग्रेस की रणनीति साफ हो जाती है।

2017 में भाजपा सबसे ऊपर

अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित दोनों सीटें सोनभद्र जिले में हैं। भाजपा ने 2017 में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 69 तो अनुसूचित जनजाति की 1 सीट यानी 70 सीटें जीत लीं। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित दूसरी सीट भाजपा के सहयोगी अपना दल ने जीती। वहीं, अपना दल व सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने एससी के लिए आरक्षित 3–3 सीटों पर जीत दर्ज की थी। तो दूसरी तरफ सपा ने 7, बसपा ने 2 और 1 सीट निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती थी। भाजपा और उसके सहयोगी दलों की आरक्षित सीटों पर सामूहिक सफलता दर 88 फीसदी रही। भाजपा सरकार बनाने में कामयाब रही।

# राममंदिर के लिए अब तक मिली पांच हजार करोड़ की समर्पण निधि, मोरारी बापू सबसे बड़े दानवीर

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि परिसर में भव्य राममंदिर निर्माण का काम जोरों पर चल रहा है। मंदिर की नींव के दूसरे फेज के तहत हो रही राफ्ट की ढलाई 90 प्रतिशत पूरी हो चुकी है। अप्रैल 2020 में जैसे ही श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का खाता खुला, मंदिर निर्माण के लिए भक्तों ने समर्पण निधि देनी शुरू कर दी। रामलला के प्रति गहरी आस्था का ही परिणाम है कि डेढ़ साल के भीतर पांच हजार करोड़ से अधिक की समर्पण निधि मिल चुकी है। प्रख्यात कथावाचक मोरारी बापू ने सर्वाधिक 11 करोड़ दिए हैं तो महावीर ट्रस्ट पटना भी अब तक चार करोड़ दे चुका है।

खाता खुलने के बाद ट्रस्ट ने विज्ञापन व सोशल मीडिया के जरिए भक्तों से दान की अपील की थी। ट्रस्ट ने इस वर्ष 15 जनवरी से 27 फरवरी तक निधि समर्पण अभियान भी चलाया था। इस वर्ष मार्च में हुए ऑडिट की रिपोर्ट में 3500 करोड़ के दान की बात सामने आई थी लेकिन ट्रस्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राममंदिर के लिए अब तक पांच हजार करोड़ से अधिक का दान मिल चुका है।

भक्तों में राममंदिर के प्रति आस्था का आलम यह है कि कोरोना काल में जब पूरा देश लगभग थम सा गया था तो वर्ष 2020 के अप्रैल व मई में 4.60 करोड़ का दान ट्रस्ट को मिला था। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट कार्यालय के प्रभारी प्रकाश गुप्ता बताते हैं कि निर्माण के लिए दान का सिलसिला जारी है। कार्यालय में प्रतिदिन हजारों की नकदी सहित चेक भी आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक राममंदिर के लिए प्रख्यात कथावाचक मोरारी बापू के भक्तों की ओर से सर्वाधिक 11 करोड़ का दान दिया गया है। महावीर ट्रस्ट पटना ने भी दस करोड़ देने का एलान किया गया है। मुख्य ट्रस्टी किशोर कुणाल ने पांच वर्ष तक हर वर्ष दो करोड़ रुपये राममंदिर के लिए देने की बात कही थी। ट्रस्ट की ओर से अब तक चार करोड़ रुपये का दान किया जा चुका है। शिवसेना, उद्धव ठाकरे की ओर से एक करोड़, संघ कार्यकर्ता सियाराम की ओर से एक

करोड़, चौतन्य सेवा ट्रस्ट मुंबई की ओर से एक करोड़ का दान किया जा चुका है। इससे पहले ट्रस्ट का खाता खुलने के बाद केंद्र सरकार ने एक रुपया व सीएम योगी ने भी 11 लाख का दान दिया था।

एफसीआरए न होने से नहीं मिल रहा विदेशी दान

देश के बड़े उद्योगपतियों से ट्रस्ट ने अभी तक दान नहीं लिया है न ही विदेशी भक्तों द्वारा अभी तक राममंदिर निर्माण के लिए दान दिया जा सका है। विदेशी दान के लिए ट्रस्ट के पास एफसीआरए की वैधता होनी चाहिए, जो अभी नहीं है। ट्रस्ट ने बड़े–बड़े उद्योगपतियों से भी अब तक राममंदिर के लिए दान देने की अपील नहीं की है, ट्रस्ट का कहना है कि अभी इसकी जरूरत नहीं। दूसरी तरफ विदेशी दान के लिए एफसीआरए चाहिए जिसके लिए तीन साल की ऑडिट रिपोर्ट अनिवार्य है। ट्रस्ट अभी तक तीन साल का नहीं हुआ है, इसलिए विदेशी दान प्राप्त करने में कुछ समय लगेगा।

15 हजार लोगों ने दिया ऑनलाइन दान

ऑनलाइन माध्यम से बड़ी संख्या में लोग ट्रस्ट को दान भेज रहे हैं। अप्रैल में ट्रस्ट का खाता खुलने के बाद से अब तक करीब 15 हजार लोगों ने ऑनलाइन दान दिया है। रामभक्त नेटबैंकिंग व आरटीजीएस टूल का भी प्रयोग कर रहे हैं। ट्रस्ट ने स्टेट बैंक, बीओबी व पंजाब नेशनल बैंक में खाता खोल रखा है। ट्रस्ट कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने बताया कि प्रतिदिन ऑनलाइन माध्यम से लाखों का दान आ रहा है।

तीन गुना हुआ रामलला का चढ़ावा

राममंदिर निर्माण शुरू होने के साथ रामलला के चढ़ावे में भी तीन गुना की वृद्धि हुई है। राममंदिर के हक में फैसले के पूर्व एक माह में दस से 12 लाख का चढ़ावा आता था। फैसले के बाद चढ़ावा बढ़कर प्रतिमाह 25 से 30 लाख हुआ। जैसे ही राममंदिर का निर्माण शुरू हुआ रामलला के चढ़ावे में तीन गुना की वृद्धि हुई है। अगस्त में रामलला के दान पात्र में एक पखवाड़े में 35 लाख का चढ़ावा आया तो वहीं सितंबर में एक नया रिकार्ड बना। चढ़ावे में दोगुना की वृद्धि हुई और चढ़ावा 76 लाख तक जा पहुंचा। अक्तूबर में भी रामलला को 82 लाख का चढ़ावा मिला है।

# गन्ने से लदी ट्रैक्टर की ट्राली से दबकर,महिला की मौत

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। गन्ना लदे ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से 45 वर्षीय अधेड़ महिला की मौत हो गई।इस दर्दनाक घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। इटियाथोक थाना क्षेत्र के अहिरौलिया गांव के समीप सोमवार की सुबह राजपता (45) पत्नी बाबू सोनकर की गन्ना लदे ट्रैक्टर–ट्राली की चपेट में आने से मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका किसी काम से जा रही थी,कि ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आ गई।वहीं चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों समेत स्थानीय पुलिस को दिया।सूचना पाकर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया।पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई है।मामले में प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया,कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।चालक की तलाश में पुलिस जुटी है।

# सूरज सिंह ने श्री श्याम इंडस्ट्रीज, इंटरलॉकिंग मैन्युफैक्चरिंग का फीता काटकर किया उद्घाटन

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। समाजवादी पार्टी के स्वर्गीय पूर्व मंत्री विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह के पुत्र सूरज सिंह ने विधानसभा सदर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बुढादेवर में श्री श्याम इंडस्ट्रीज, इंटरलॉकिंग मैन्युफैक्चरिंग का फीता काटकर उद्घाटन किया। बताते चलें कि ग्राम पंचायत बुढादेवर के प्रधान व समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव देवेंद्र प्रताप यादव उर्फ दीपू यादव के इंडस्ट्रीज, इंटरलॉकिंग मैन्युफैक्चरिंग का मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे सदर के पूर्व प्रत्याशी/प्रभारी सूरज सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया और यादव को सूरज सिंह हमेशा तरक्की कर आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। इस दौरान झंझरी के पूर्व ब्लाक प्रमुख,साबिर अली के साथ तमाम सपा के पदाधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

# गौरवा खुर्द में मिशन शक्ति अभियान के बारे में चौपाल लगाकर महिला अपराधों के प्रति महिलाओं को किया गया जागरूक

अवध की आवाज ब्यूरो

गोण्डा। शासन प्रशासन पूरी तरह से महिलाओं व बालिकाओं के शोषण के के प्रति जागरूक है वह हर कदम कदम पर महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा के प्रति जगह जगह लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है। जिससे की महिलाओं वा बालिकाओं के साथ कोई भी अपराध ना घटित हो सके।महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति हो रहे अपराधों ( छेड़छाड़/शोषण, दहेज उत्पीड़न, बाल अपराध, इत्यादि) की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तृतीय चरण के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना कोतवाली करनैलगंज मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्रामसभा शगौरवा खुर्द के अंतर्गत स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालयश में चौपाल लगाकर छात्र–छात्राओं से संवाद स्थापित कर मिशन शक्ति अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा समाज में घटित हो रही घटनाओं के माध्यम से सजग रहने हेतु प्रेरित किया गया इस प्रकार से उन्हें अपने अधिकारों हेतु लड़ने के लिए जागरूक किया गया।

# किसानों का भुगतान समय पर किया जाये:- संतोष कुमार

अवध की आवाज ब्यूरो

हरदोई। सम्भागीय खाद्य नियत्रंक लखनऊ मण्डल श्री संतोष कुमार ने जनपद के विभिन्न धान क्रय केन्द्रो का निरीक्षण कर व्यवस्थाओ का जायजा लिया। उन्हांने निरीक्षाण के दौरान सम्बन्धित क्रय एजेन्सियों के प्रभारी के कार्य मे तेजी लायी जाये किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई नही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को सरकारी क्रय केन्द्रों पर उपज का सही दाम बिना परेशानी के मिल सके इसके लिए शासन ने निगरानी के लिए अधिकारियों को नियुक्त का निरीक्षण करते हुये किसानों से भी बात–चीत की तथा प्रभारी को निर्देश दिये कि लक्ष्य से अधिक धान किसानों का खरीदा जाये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हरदोई मण्डी पिहानी मण्डी, शाहाबाद मण्डी, आदि का निरीक्षण करते हुये सम्बन्धित को सभी व्यवस्थायें चाक चौबंध रखते हुये समस्त क्रय एजेंन्सियों के कम भुगतान व सी0एम0आर सम्प्रदान की धीमी गति पर रोष व्यक्त किया। इस मौके पर निरीक्षण के दौरान खाद्य एवं विपणन अधिकारी अनुराग पाण्डेय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एवं सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों का भुगतान समय पर किया जाये। और भुगतान किया है। उन्होंने खरीद एवं टोकन देने के बारे मे भी पूछताछ की। और विभिन्न धान क्रय केन्द्रों

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। चार जुआंरी गिरफ्तार थाना कोतवाली, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय व श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय नगर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली सदर द्वारा 04 जुआंरियों को गिरफ्तार किया गया।

# सामाजिक कुरूतियों को अपने हित में इस्तेमाल करना सीख ले तो बदलाव का रास्ता अपने आप बन जायेगा : लक्ष्य

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव– नवाबगंज। भारतीय समन्वय संगठन(लक्ष्य) की लक्ष्य कमांडर चेतना राव ने एक भीम चर्चा का आयोजन उन्नाव के नवाबगंज में स्थित अपने निवास स्थान पर किया। यहाँ यह बता दें कि हाल ही में उनके ससुर का लम्बी बीमारी के बाद देहावसान हो गया था जिसको लेकर परिवार में यह रस्सा कसी रही कि पिता जी का शांति पाठ परम्परागत रीती–रिवाजों से किया जाये या समाज में बदलाव के लिए बुद्ध रीती से किया जाये। अंततः लक्ष्य कमांडर चेतना राव ने परिवार के सदस्यों को मना लिया और शांति पाठ के अवसर पर एक भीम चर्चा की गई जिसमें पूज्य भिक्खु संघ व लखनऊ से लक्ष्य की महिला कमांडरों ने हिस्सा लिया। समाज में इस बदलाव को लेकर लोगों में चर्चा बनी रही और ज्यादातर लोगों ने इस बदलाव की प्रशंसा की और भविष्य में कुरूतियों से बचने का संकल्प लिया। समाज की स्थिति में सुधार के लिए छोटे छोटे प्रयोग होते रहने चाहिए, हमें परम्परागत रीतियों के नाम पर कुरूतियों को ढोना बंद करना होगा, ऐसी रीतियां जो कुरूतियों में बदल गई है और जो समाज को घुन की तरह खा रही है, ऐसी कुरूतियों से समाज को छुटकारा पाना ही होगा। अंधविश्वास, पाखण्ड, मृत्यु भोज व पुनर्जन्म के चक्कर से बाहर निकलना होगा अर्थात् समाज कुरूतियों को अपने हित में इस्तेमाल करना सीख ले तो बदलाव का रास्ता अपने आप बन जायेगा। यह बात लक्ष्य की महिला कमांडरों ने भीमचर्चा के दौरान कही। लक्ष्य कमांडरों ने जोर देते हुए कहा कि कुरूतियों से टकराना आसान नहीं है, ऐसी स्थिति में हमें अपनो का ही विरोध झेलना होगा लेकिन अपनी स्थिति में बदलाव के लिए हमें मजबूत इच्छा शक्ति के साथ कदम उठाने ही होंगे, अंधविश्वासी परम्पराओं को तोड़ना ही होगा जो हमारे विकास के मार्ग में रोड़ा बन रही है। इस भीम चर्चा में लक्ष्य कमांडर चेतना राव, रेखा आर्या, राजकुमारी कौशल, रागनी चौधरी, अनीता प्रसाद, एडवोकेट लक्ष्मी गौतम, पुष्पा भारती, मधु सिंह,देवकी बौद्ध, प्रिया गौतम, सुजाता सिंह, चंदा, लक्ष्मी सिंह, शर्मीला, धर्मिला,साधना, दिव्या, गायत्री,पूनम, सौरभ, छोटू, सर्वेश, विमल, एस. पी. कौशल, एम एल आर्या, संजीत कुमार, राम सजीवन, व शिव कुमारी ने हिस्सा लिया।

# नलकूप की नाली ध्वस्त होने से सिंचाई ठप, पाइप लाइन बिछाने की हुयी मांग।

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। विकास खण्ड कटरा बाजार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सर्वांगपुर में स्थित राजकीय नलकूप की नालियां ध्वस्त होने की वजह से विगत वर्ष से फसलों की सिचाई का कार्य पूरी तरह प्रभावित है, नाली का निर्माण कराये जाने की मांग किसानों द्वारा पहले भी कई बार की जा चुकी है किन्तु विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नही की गयी, ग्राम प्रधान सर्वांगपुर अथवा राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संघठन के जिलाध्यक्ष उमापति त्रिपाठी ने नलकूप खण्ड के अधिशाषी अभियंता को पत्र लिख कर नए सिरे से नाली का निर्माण कराने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा है की जगह जगह नाली टूटने की वजह से सिंचाई के दौरान खेत में जाने वाला पानी अन्यत्र स्थान पर अथवा गाँव में भर जाता है जिससे फसलों की सिंचाई का कार्य प्रभावित हो रहा है। किसानो के फसलों की सिंचाई का महत्वपूर्ण कार्य केवल नाली की वजह से बन्द रहता है नलकूप में कोई खराबी नही है। नलकूप से सिंचाई की ब्यवस्था बहाल न होने की वजह से पम्पिंगसेट लगा कर सिंचाई करने से डीज़ल सहित अतिरिक्त खर्च किसानों की आमदनी पर खासा असर डाल रहा है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।